D

(21223) **Roll No. .....**

U. G . -I Sem.

NEP-1001

U. G . Examination, Dec. 2023

MAJOR COURSE (UNDER N.E.P.)

HINDI

Hindi Kavya

[Paper Code : A010101T]

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

निर्देश : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्न हल कीजिए ।

खण्ड-अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है । अधिकतम 75 शब्दों में अति लघु उत्तर अपेक्षित है ।

3×5=15

1. हिन्दी साहित्य के आदिकाल को अन्य किन-किन नामों से जाना जाता है और क्यों ?

2. 'नाथ' शब्द का क्या आशय है ? नाथ सम्प्रदाय का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?

3. तुलसी की भक्ति-भावना स्पष्ट कीजिए।

4. रीतिकालीन कवि घनानन्द पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का परिचय दीजिए।

खण्ड-ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित तीन पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए । प्रत्येक व्याख्या 7½ अंकों की है । अधिकतम 200 शब्दों में लघु उत्तर अपेक्षित है ।7½×2=15

6. सतगुर लई कमाँण करि, बाँहण लागा तीर।
एक जु बाह्यां प्रीति सूँ, भीतरि रह्या सरीर ।।
पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथि ।।
आगै थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि ।।

7. आयो घोष बड़ो व्यापारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतारी।
फाटक दै कर हाटक माँगत, भौंरे निपट सुधारी।
धुर ही तो खोटो खायो है, लिए फिरत सिर भारी।
इनके कहे कौन डहकावै, ऐसी कौन अनारी।
अपनों दूध छाँड़ि को पीवै, खार कूप को पानी।
ऊधो जाहु सवार यहाँ तें, बेगि गहरु जनि लावौ।
मुँह मांग्यो पैहो सूरज प्रभु साहुहि आनि दिखावौ ।।

8. माँ है वह ! इसी से हम बने हैं।
किंतु हम हैं द्वीप ! हम धारा नहीं हैं।
स्थिर समर्पण है हमारा। हम सदा से द्वीप हैं
स्रोतस्विनी के।
किंतु हम बहते नहीं हैं। क्योंकि बहना रेत होना है।
हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।
पैर उखडेंगे, प्लवन होगा। ढहेंगे, सहेंगे, बह जायेंगे।
और फिर हम चूर्ण होकर भी कभी क्या धार बन सकते ?
रेत बनकर हम सलिल को तनिक गँदला ही करेंगे।
अनुपयोगी ही बनायेंगे।

खण्ड-स

(विस्तृत उत्तरीय प्रश्न)

निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है । विस्तृत उत्तर अपेक्षित है। 15×3=45

9. आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ बताइए ।

10. 'भ्रमरगीत' का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताएँ बताइए ।

11. महादेवी वर्मा के गीति-काव्य की विशेषताएँ बताइए ।

12. " 'आँसू' एक उत्कृष्ट विरह-काव्य है"- स्पष्ट कीजिए ।

13. नागार्जुन की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।